सुलभ साहित्य-माला ✠ ✠ आठवाँ पुष्प

शरत्-साहित्य



बिन्दोका लल्ला, मुक़द्दमेका नतीजा,
मन्दिर, हरिचरण, हरिलक्ष्मी,
अभागिनीका स्वर्ग



अनुवादकर्त्ता
धन्यकुमार जैन

हिन्दी-ग्रन्थ-रत्नाकर कार्यालय, बम्बई